डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ) दिनांक 02.11.2017

22वें दीक्षांत समारोह का फाइनल रिहर्सल संपन्न

डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षंत समारोह का आज दिनांक 02.11.2017 को अपरान्ह 12:30 बजे समारोह स्थल पर निर्मित भव्य पंडाल में फाइनल रिहर्सल किया गया। रिहर्सल में कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित, कुलसचिव संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष, विश्वविद्यालय सभा के सदस्य, कार्य परिषद के सदस्य तथा विद्या परिषद के सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया। दीक्षांत शोभायात्रा का एम0एड0 विभाग से मंच तक जाने का पूर्वाभ्यास भी किया गया। शोभायात्रा का नेतृत्व कुलसचिव ने किया तथा शोभायात्रा के पंडाल में पहुंचने पर शोभायात्रा के सदसयों ने अपने निर्धारित स्थान को ग्रहण किया तथा कुलसचिव ने मंच पर पहुचकर कार्यपरिषद के सदस्यों के साथ कुलपति की भी अगवानी की।

रिहर्सल में राजा मोहन गर्ल्स डिग्री कालेज की छात्राओं द्वारा संगीत शिक्षिका डा0 कल्पना एस वर्मन तथा डा0 रोमा अरोड़ा के निर्देशन में कुलगीत, राष्ट्रगीत तथा राष्ट्रगान का संगीतमयी प्रस्तुतीकरण किया गया। कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय प्रतिवेदन के प्रस्तुतीकरण के अतिरिक्त दीक्षंत कार्यक्रम को लेकर भी संबंधित शिक्षकों की टीम को अभ्यास कराया गया। कुलसचिव संजय कुमार ने स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ताओं एवं इस व्यवस्था में लगी शिक्षकों की टीम के साथ पदक वितरण का पूर्वाभ्यास किया। गोल्ड मेडल धारकों द्वारा मंच तक जाने तथा वापस आने का क्रम भी निर्धारित किया गया। रिहर्सल के उपरांत कुलपति ने दीक्षंत समारोह को लेकर मुख्य कार्यक्रम स्थल के पंडाल में आसन व्यवस्था को लेकर संबंधित शिक्षकों की टीम द्वारा देर तक मंथन किया तथा अन्य तैयारियों का भी बारीकी से निरीक्षण किया।

ज्ञात हो कि इस वर्ष दीक्षंत समारोह विश्वविद्यालय परिसर के खेल मैदान पर लगे पंडाल में आयोजित किया जा रहा है जिसमें लगभग 2500 छात्र, छात्राओं तथा अतिथियों के बैठने की व्यवस्था की गयी है। दीक्षांत पंडाल का मुख्य आकर्षण पंडाल में लगे चार बड़े एल0ई0डी0 डिस्पले भी रहेंगे जिनके द्वारा मंच पर हो रहे कार्यक्रम को चारों तरफ बैठे अतिथि देख सकेंगे। यह भी ज्ञात हो कि इस वर्ष के दीक्षांत में पदक धारक छात्र छात्राओं के अभिभवकों के साथ–साथ उदया पब्लिक स्कूल तथा जे0बी0 एकेडमी के इण्टर अंतिम वर्ष के छात्रों को भी दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो0 आर0एन0 राय ने एक बार पुनः समस्त उपाधिधारक, पदकधारक छात्र छात्राओं के साथ–साथ समस्त आमंत्रित अतिथियों से अनुरोध किया है कि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए दोपहर 12 बजे तक विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यक्रम स्थल तक अवश्य पहुंच जायें।

आज सांयकाल 3 बजे विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में भारत के राष्ट्रीय अनुसंधान आचार्य प्रो0 अशोक गजानन मोडक का एक विशिष्ट व्याख्यान संपन्न हुआ जो राष्ट्रीयता के संदर्भ में डा0 राम मनोहर लोहिया तथा पं0 दीनदयाल उपाध्याय के मध्य वैचारिक समानता के विश्लेषण पर आधारित था। विशेष व्याख्यान में कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने प्रो0 मोडक का स्वागत करते हुए कहा कि प्रो0 मोडक जैसी विद्वान विभूति का विश्वविद्यालय में आगमन स्वयं में एक ऐतिहासिक अवसर है। गांधीवादी परम्परा के वाहक के रुप में डा0 मोडक ने एक शिक्षक तथा एक राजनेता के रुप में सामाजिक हित के संदर्भ में जो मानक स्थापित किए हैं वह आज की पीढी के लिए अनुकरणीय हैं। प्रो0 मोडक ने राष्ट्रवादिता के संदर्भ में उक्त दोनो महान विभूतियों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि स्वतंत्रता पश्चात के भारत के उच्च्कोटि के इन विचारकों की न सिर्फ जीवनशैल अनुकरणीय है बल्कि स्पष्ट रुप से यह भी अनुकरणीय है कि राष्ट्र हित व राष्ट्रीय विकास के संदर्भ में अलग–अलग राजनैतिक धाराओं के वाहक होने के बाद भी इनके विचार हर स्तर पर समान थे।

नोट : फोटो मेल पर संलग्न है।

मीडिया प्रभारी